ये अव्यक्त इशारे

रुहानी रॉयल्टी और प्युरिटी की पर्सनैलिटी धारण करो

6-05-2025

जैसे स्थूल शरीर में विशेष श्वांस चलना आवश्यक है। श्वांस नहीं तो जीवन नहीं, ऐसे ब्राह्मण जीवन का श्वांस है पवित्रता। २१ जन्मों की प्रालब्ध का आधार पवित्रता है। आत्मा और परमात्मा के मिलन का आधार पवित्र बुद्धि है। संगमयुगी प्राप्तियों का आधार और भविष्य में पूज्य-पद पाने का आधार पवित्रता है इसलिए पवित्रता की पर्सनैलिटी को वरदान रूप में धारण करो।

Adopt the personality of spiritual royalty and purity.

It is essential to breathe whilst in your body, for if you are unable to breathe, you are nor alive. In the sameway, purity is the breath of Brahmin life. Purity is the basis of your reward for 21 births. The basis of a soulmeeting the Supreme Soul is a pure intellect. The basis of the confluence-aged attainments and a future worthyof worship status is purity. Therefore, adopt the personality of purity as a blessing.